# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक


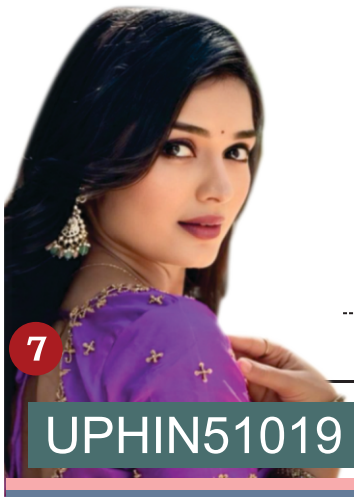


7

3 सीएम योगी ने दी सीख संघर्षों से राह बनाएं युवा

5 यूपी विधानसभा उपचुनाव में सपा कांग्रेस का जारी रहेगा गठबंधन

8 खेल जगत का लाल बजरी के बादशाह नडाल को सलाम फेडरर से लेकर रोनाल्डो–जोकोविच तक ने दी शुभकामनाएं



UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 16 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 14 अक्टूबर, 2024

## सीएम योगी ने की कन्या पूजन

### सीएम योगी ने कन्याओं के पांव धोकर मातृ शक्ति की आराधना की

**गोरखपुर।** शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव धोए, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंदिर स्थित अपने आवास परिसर के प्रथम तल पर परंपरागत रूप से पीतल के परात में जल से सभी नौ कन्याओं के बारी–बारी पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाई गई जई का तिलक लगाया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया।

पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। इन नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों को भी पूजनोपरांत श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्यार–दुलार पाकर नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक–एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से सभी बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं।

'तानाशाही से नहीं डरते' अखिलेश ने JP नारायण की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जय प्रकाश नारायण की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए. सपा ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए कहा, 'समाजवादी तानाशाही से नहीं डरते हैं.'

टाटा ट्रस्ट चेयरमैन पद के लिए नोएल टाटा के नाम पर लगी मुहर

*टाटा ट्रस्ट की बोर्ड मीटिंग में बड़ा फ़ैसला लिया गया है. टाटा ट्रस्ट चेयरमैन पद के लिए नोएल टाटा के नाम पर मुहर लगी है. अब वे टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा की जगह लेंगे ।*

महादेव बेटिंग ऐप का सरगना सौरभ चंद्राकर दुबई में हुआ गिरफ्तार

बांग्लादेश के मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी, PM मोदी ने किया था गिफ्ट

*बांग्लादेश के सतखिरा के श्यामनगर स्थित जेशोरेश्वरी मंदिर से मां काली का मुकुट चोरी हो गया है. रिपोर्ट के अनुसार, यह मुकुट मार्च, 2021 में मंदिर की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिया गया था. चोरी गुरुवार को दोपहर 2 बजे से 2.30 बजे के बीच हुई, जब मंदिर के पुजारी दिलीप मुखजह्न दिन की पूजा के बाद चले गए. रिपोर्ट के अनुसार, सफाई कर्मचारियों को बाद में पता चला कि देवी के सिर से मुकुट गायब था. मामले पर श्यामनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ताइजुल इस्लाम ने कहा, "हम चोर की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं." लहदू पौराणिक कथाओं के अनुसार जेशोरेश्वरी मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक है. "जेशोरेश्वरी" नाम का अर्थ है "जेशोर की देवी." यहां पर देवी सती की हथेलियां और पैरों के तलवे गिरे थे ।*

'नेताओं ने खुद को पार्टी से ऊपर रखा' हरियाणा चुनाव में हार से राहुल नाराज

*हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी ने मंथन किया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली आवास पर हरियाणा चुनाव की हार को लेकर रिव्यू मीलटग हई. सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने नाराजगी जताते हुए कहा, 'हरियाणा में नेताओं का इंटरेस्ट पाटह से ऊपर रहा' इस बैठक में भूपेंद्र सिं हुड्डा और कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला मौजूद नहीं थे।*

## सम्पादकीय

# जम्मू–कश्मीर में उम्मीदों की सरकार

हिंसा और राज्य समर्थित दमन के 10 वर्षों के बाद जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस की गठबन्धन वाली सरकार बनी है तो स्वाभाविकतः लोगों के मन में उसे लेकर बड़ी उम्मीदें हैं। ये आशाएं केवल उस राज्य में रहने वालों को ही नहीं वरन देश–विदेश में रहने वाले हर उस व्यक्ति की हैं जो उस राज्य की स्थिति को लेकर दुखी हैं। 5 अगस्त, 2019 को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छीन लिया था। वहां आतंकवाद के सफाये के नाम पर नागरिकों पर जुल्म ढाये गये। पिछले एक दशक तक प्रदेश प्रतिनिधित्व विहीन रहा। भाजपा का एक नुमाइंदा प्रशासक बनकर राज्य को हांकता रहा। इसे लेकर जो बड़े–बड़े दावे भाजपा और केन्द्र सरकार ने किये थे, वे कुछ भी पूरे नहीं हुए। उल्टे जम्मू–कश्मीर विकास की दौड़ में पिछड़ता चला गया। नयी सरकार से लोगों को उम्मीद है कि वह लोगों के ज़ख्मों पर मरहम लगाये और सूबे को विकसित करे। हिंसा और नफ़रत को खत्म कर यहां कश्मीरियत की वह इबारत फिर से लिखे जाने की ज़रूरत है, जिसे पिछले बरसों में पूर्णतः मिटाने की कोशिश की गयी। इस प्रांत में रहने वालों के प्रति भाजपा की घृणा जगजाहिर है। इसी नफरती भावना के चलते 370 समाप्त तो कर दी गयी लेकिन केन्द्र सरकार को उसके बाद यह नहीं पता चल सका कि अब क्या करना है। बताया गया था कि अनुच्छेद 370 ही सारी समस्याओं की जड़ है और इसके हटते ही कश्मीर में शांति और विकास की गंगा बहने लगेगी। वैसे साफ था कि केन्द्र सरकार की दिलचस्पी जम्मू–कश्मीर के लोगों में नहीं बल्कि यहां के व्यवसाय और यहां की जमीनों को हड़पने में है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां के प्रमुख कारोबार अपने व्यवसायी मित्रों को सौंपना चाहते हैं। सम्भवतः बाद में उन्हें और उनके दोस्तों को एहसास हुआ होगा कि इस प्रांत को सम्हालना वैसा आसान नहीं है. जैसा वे सोच रहे थे। हकीकत यह है कि धारा 370 के खत्म करने से यहां कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नागरिकों का जो नुकसान हुआ वह अपनी जगह पर है। जम्मू–कश्मीर की जो नयी सरकार बनने जा रही है, उसे कुछ बातों का ख्याल रखना होगा। पहली तो यह कि सरकार को गिराने की हरसम्भव कोशिश होगी क्योंकि यह भाजपा की नाक का सवाल है और ध्रुवीकरण का उपकरण भी। प्रचारित यह किया गया था कि अनुच्छेद 370 हटने से यहां के नागरिक खुश हैं और खुशहाली बहाल हुई है। सत्ता पाने के लिये जम्मू में 5 सीटें बढ़ाई भी गईं। फिर, एक अशांत सीमा से लगे होने के कारण केन्द्र के माध्यम से भाजपा द्वारा प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की भरपूर कोशिशें होंगी। जम्मू–कश्मीर के जो हालात हैं, ऐसे अवसर मिल सकते हैं। न हों तो बनाये जा सकते हैं। भाजपा का कुख्यात 'ऑपरेशन लोटस' फिर से सक्रिय करने के भी प्रयास होंगे। हालांकि नयी विधानसभा में जो दलीय स्थिति है, उसके चलते फिलहाल उसकी गुंजाइश नहीं है परन्तु भाजपा इस सरकार को गिराने के रास्ते तैयार करती ही रहेगी। दूसरे, वह यह भी ख्याल रखे कि इस सरकार को पाने के लिये यहां की गैर भाजपायी सियासती पार्टियों को अनेक तरह की तकलीफें उठानी पड़ी हैं। 370 का विलय करने के बाद पूरी घाटी में असंतोष था। लोगों का दमन करने के लिये सरकार ने कई क्रूर कार्रवाइयां कीं। इनमें अंधाधुंध गिरफ्तारियां, गोलीचालन आदि से लेकर लम्बे–लम्बे कर्फ्यू तथा इंटरनेटबंदी आदि शामिल है। ऐसे ही, प्रशासक बैठाकर जनप्रतिनिधियों को अप्रासंगिक बनाया गया।

गठबन्धन वाली इस सरकार को बनाने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान रहा है। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकली उनकी पहली भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक पर खत्म हुई थी। 30 जनवरी, 2023 को इस अवसर पर बर्फबारी के बीच राहुल के दिये भाषण ने यहां के लोगों तथा भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों– खासकर नेशनल कांफ्रेंस एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ा हौसला दिया था। स्थानीय कारणों से पीडीपी ने अलग चुनाव लड़ा था– बावजूद इसके कि वह राष्ट्रीय स्तर पर बने संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया का हिस्सा है। दोनों पार्टियों का इतिहास देखें तो वे कभी न कभी केन्द्र हो या राज्य में भाजपा के साथ सत्ता में भागीदारी निभा चुकी हैं। वैसे तो अनुच्छेद 370 हटाने के कारण कश्मीर में भाजपा के खिलाफ माहौल है जिसके चलते कोई भी पार्टी भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने में मदद नहीं करेगी। तो भी राजनीति में कब क्या हो जाये कुछ भी नहीं कहा जा सकता। नयी सरकार को चाहिये कि अनुच्छेद 370 खत्म करने तथा राज्य का दर्जा वापस पाने के लिये केन्द्र पर दबाव डाले। हालांकि यह आसान नहीं है लेकिन लोगों की सबसे बड़ी अपेक्षा यही है। जम्मू के लोग भी 370 के विलोपन के खिलाफ रहे हैं परन्तु भाजपा विधायक मदद नहीं करेंगे जिन्हें जम्मू क्षेत्र में अच्छा जन समर्थन मिला है। अपने चुनाव प्रचार में राहुल ने इसका आश्वासन दिया था। नब्बे के दशक में घाटी से पलायन कर गये कश्मीरी पंडितों की वापसी भी एक मुद्दा है। नयी सरकार इस दिशा में गम्भीरतापूर्वक काम करे। इसके साथ ही वह राज्य के आर्थिक पुनरुत्थान की कोशिशें करे। पर्यटन के अलावा बागवानी, हस्तशिल्प, दस्तकारी आदि अनेक क्षेत्र हैं जो तबाह हो चुके हैं। इनका फिर से विकास हो ताकि लोगों को रोजगार मिले। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस व एनसी ने जो वादे किये थे, वे जल्दी पूरे हों।

# पूरब के आक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार–बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का ज़ोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने–लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई–लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी–लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी। इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था– हम ऐसी कुल किताबें क़ाबिल–ए–ज़ब्ती समझते हैं कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को खब्ती समझते हैं लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी

किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़–लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है।

लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तक़रीबन 100 कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार–पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब 'शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडिया' में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार–पीट और तोड़–फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं।

2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई।

अतीत की घटना को तो कोई बदल नहीं सकता, 12वीं सदी में न भारत संघीय गणराज्य था, न लोकतांत्रिक शासन था। लेकिन अभी तो हम दस सदी आगे आ चुके हैं, और समाज में असहमति को कुचलने या सत्ता का आतंक स्थापित करने के लिए हजार साल पुराने तौर–तरीके ही अपनाए जाएंगे तो फिर समाज को सोचना होगा कि विकसित भारत की बात करने वाले देश को आगे ले जा रहे हैं या पीछे धकेल रहे हैं। विकास का मतलब समय के चक्र का उल्टा घूमना तो कतई नहीं होता।

फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार–बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है (कब तक लेगा, कहा नहीं जा सकता) , जिसे पूरब का ऑक्सफोर्ड माना जाता था। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी 23 सितंबर, 1887 को मात्र 5,240 रुपये के कर्ज से शुरु की गई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी और भारत की चौथी सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है। पश्चिमी जगत में जो सम्मान और रुतबा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का रहा है, कमोबेश वैसे ही इज्जत इलाहाबाद विवि को मिलती रही, क्योंकि यहां पठन–पाठन, शोध की गौरवशाली परंपरा कायम हुई।

कई बड़े राजनेता, लेखक, विद्वान, बुद्धिजीवियों का संबंध इस विवि से रहा। धर्मवीर भारती के कालजयी उपन्यास गुनाहों का देवता में इस विवि का कई तरह से जिक्र आया। 2003 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार के मंत्रिमंडल ने इसे केंद्रीय सार्वभौमिकता का दर्जा बहाल किया था फिर मनमोहन सिंह सरकार के दौर में 2005 में भारत की संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया था। ये बातें दो दशक पुरानी हो गई हैं, तब शैक्षणिक संस्थानों और पढ़े–लिखे लोगों, खासकर नेताओं की इज्जत हुआ करती थी। फिर देश ने पुराने भारत को न्यू इंडिया में तब्दील होते देखा, जिसमें खादी के कैलेंडर पर गांधीजी की जगह नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी, जिसमें गांधी को स्वच्छता अभियान के चश्मे तक कैद करने की कोशिश हुई और जिसमें हार्वर्ड विवि से पढ़े लोगों का मजाक बनाने का दुस्साहस दिखाया गया। कहा गया कि हम हार्ड वर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं। मानो हार्वर्ड विवि में दाखिला टहलते–फिरते मिल जाता है। अब तक पूरब के आक्सफोर्ड का मखौल बैल बुद्धि बोल कर नहीं उड़ाया गया है, यही कमी रह गई है। लेकिन किताबों पर जिस तरह बुलडोजर चलाया गया है, वो सीधे–सीधे प्रगतिशील सोच रखने वाले लोगों को चुनौती है कि तुम्हारी किताबों को ही नहीं, तुम्हारी चेतना को भी कुचलने का दम सत्ता रखती है। परसाई जी ने बाजारवाद के प्रसार पर तंज करते हुए लिखा था– बाज़ार बढ़ रहा है, इस सड़क पर किताबों की एक नयी दुकान खुली है और दवाओं की दो।

# जम्मू–कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस–कांग्रेस की जीत के साथ बदलाव की जमीन तैयार

जम्मू–कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी–कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू–कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब 'राजा' की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'सम्राट' की तरह। भारतीय जनता पार्टी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव हार गयी। नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की। नेशनल कॉन्फ्रेंसके अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला अगले मुख्यमंत्री होंगे। घाटी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन के लिए भारी मतदान किया था। जम्मू के हिंदुओं ने भाजपा को अपना चेहरा बचाने वाला एक मौका दिया, लेकिन उस हद तक नहीं, जिसकी भाजपा को उम्मीद थी। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में एनसी–कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत अधिक संख्या में दर्ज कर सकती थी परन्तु इसमें उनसे चूक हो गयी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी–कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू–कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब 'राजा' की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'सम्राट' की तरह। महत्वपूर्ण बात यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंसके पक्ष में किस्मत नहीं थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस की सीटें लोगों के जनादेश के दम पर भारी बहुमत से आगे निकल गयीं, जो ज्यादातर नेशनल कान्फ्रेंस के पक्ष में था। वास्तव में, कांग्रेस एनसी के पाले में लटकी रही। इतना ही नहीं, यहां तक कि इंजीनियर रशीद, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से हराया था, भी एनसी के शानदार प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं कर पाये।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की तुलना में पीडीपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि कश्मीर के मतदाता कश्मीर क्षेत्र से स्पष्ट विजेता चाहते थे, न कि विभाजित जनादेश, जिससे किसी भी क्षेत्रीय विजेता को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से उत्पन्न समस्याओं को हल करने का मौका न मिले। कश्मीरी मुसलमान भारत के बाकी हिस्सों के मुसलमानों से अलग नहीं हैं। वे भी केंद्र के प्रति बहुत आभारी नहीं हैं क्योंकि आतंकवादियों द्वारा मारे जाने और बच जाने के बाद भी आज उनका जीवन कम नारकीय नहीं हो गया है। उस समय भी नहीं जब पत्थरबाजी एक दैनिक घटना थी। स्वतंत्र उम्मीदवार, जिन पर भाजपा ने भरोसा किया था, भी हार गये। नेशनल कॉन्फ्रेंस/कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में पीडीपी उम्मीदवारों को हराया, लेकिन इसने अब्दुल्ला परिवार को महबूबा की ओर दोस्ताना हाथ बढ़ाने से नहीं रोका। जीत में उदारता! परिणाम लगभग ऐसे थे जैसे पीडीपी ने चुनाव ही नहीं लड़ा था। इत्तिजा मुफ्ती तो मुफ्ती परिवार के गढ़ बिजबेहरा में भी हार गयीं।

यह कहा गया किये विधानसभा चुनाव 2014 के बाद से जम्मू और कश्मीर के पहले चुनाव थे। साथ ही, जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किये जाने के बाद भी ये पहले चुनाव थे। खास बात यह है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला चुनाव था। एग्जिट पोल ने त्रिशंकु सदन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन यह पता चला कि जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं की धारणा बिल्कुल अलग थी। सुबह 8 बजे से ही वोटों की गिनती शुरू हो गयी थी और तभी से यह स्पष्ट था।

हिंसा की कोई घटना नहीं हुई, मानो तथाकथित 'उग्रवादी' भी यह देखने के लिए इंतजार कर रहे थे कि नतीजे किसके पक्ष में आते हैं। छह साल के अंतराल के बाद एक नयी सरकार चुनी जानी थी। 20 जून, 2018 को पीडीपी–भाजपा शासन का पतन हो गया था। इसके बाद अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। जम्मू–कश्मीर के लाखों लोग इन चुनावों का इंतजार कर रहे थे। चुनाव परिणाम से पता चला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास कार्यों' से जम्मू–कश्मीर के अधिसंख्य लोग प्रभावित नहीं हुए। जम्मू–कश्मीर को उसके 'राज्य–दर्जा' में वापस लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समय सीमा भी है। समय सीमा का पालन करना होगा। बहाने बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। जम्मू–कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेशों– जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के रूप में बना हुआ है। ऐसी दबी हुई खबरें हैं कि लद्दाख को जम्मू–कश्मीर में वापस लौटने में कोई आपत्ति नहीं होगी। कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की समय–सीमा का पालन किया जाये। इंडिया गठबंधन, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंसएक घटक है, भी इस पर विचार करेगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है, जिसकी अब आवश्यकता नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि उपराज्यपाल को पांच आरक्षित सीटों पर यादृच्छिक लोगों को नामित करने का कोई अधिकार नहीं है। एनसी–कांग्रेस गठबंधन ने इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की योजना बनाई है। पांच नामित सदस्यों के आने से विधानसभा की संख्या 95 हो जायेगी और बहुमत का आंकड़ा 48 हो जायेगा। विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को। अब सभी को राहत मिली कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गये। वास्तव में, यह केंद्र की उपलब्धि थी। सभी मतगणना केंद्रों पर तीन–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतगणना की गयी। कोई नहीं कह सकता कि कश्मीर में कब विस्फोट हो जाये।

जम्मू–कश्मीर चुनाव में पाकिस्तान की भी दिलचस्पी है। आतंकवाद, उग्रवाद और सीमा पार से घुसपैठ सभी इस 'मित्रवत पड़ोसी' की बदौलत हैं। सवाल यह है कि जम्मू–कश्मीर में नागरिक सरकार की वापसी से पाकिस्तान के साथ आधिकारिक या अन्यथा संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस दोनों ही चाहते हैं कि भारत–पाक वार्ता फिर से शुरू हो। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कम से कम फिलहाल पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने के खिलाफ है। केंद्र और जम्मू–कश्मीर सरकार के बीच टकराव होना तय है। राज्य के लोग और घाटी के लोग विरोध करेंगे। अलगाववादी अपनी मांगों और विरोध के अपने तरीके के साथ प्रतिशोधात्मक तरीके से फिर उभर सकते हैं। अनुच्छेद 370 एनसी–कांग्रेस गठबंधन सरकार के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बेशक, जब तक इंडिया गठबंधन सत्ता में नहीं आता, तब तक कुछ नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को भारत में मोदी शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए राजी करना होगा!

# वृद्धा से अपनों ने किया किनारा

**वृद्धाश्रम ने दिया सहाराय पूरी कहानी सुन नम हो जाएंगी आंखें**

**नाम व पति का नाम ही बताने वाली वृद्धा कर रही घर जाने की जिद, पांच अक्टूबर को चिडियाघर के पास वृद्धा को छोड गए थे अपने, बेसहारा देख चिडियाघर के कर्मचारियों ने उन्हें पहुंचाया था वृद्धाश्रम**

गोरखपुर । एक वृद्ध महिला को उसके ही परिवार वालों ने चिडियाघर के पास छोड दिया। वृद्धाश्रम में रह रही घूरा देवी घर जाने की जिद कर रही हैं लेकिन पता नहीं होने की वजह से कर्मचारी उन्हें घर नहीं पहुंचा पा रहे हैं। वृद्धाश्रम के कर्मचारी हर हाल में बुजुर्ग महिला का पता खोजने में जुटे हुए हैं जिससे उन्हें सुरक्षित घर वापस भेजा जा सके।

जिस समाज में पेड़–पौधे, पत्थर से लेकर जानवर तक की पूजा होती है। वही समाज अपने बुजुर्गों को दरकिनार कर रहा है। सनातन संस्कृति में माता–पिता को देवता मानने वाले बेटे अब उन्हें ही बोझ समझने लगे हैं।

देश के नौजवान पाश्चात्य सभ्यता के वशीभूत हो माता–पिता की बेकदरी कर रहे हैं। ऐसा ही कुछ घटित हुआ है घूरा देवी के साथ। वृद्धाश्रम में रह रही घूरा देवी घर जाने की जिद कर रही हैं, लेकिन पता नहीं होने की वजह से कर्मचारी उन्हें घर नहीं पहुंचा पा रहे हैं।

# सीएम योगी ने दी सीख संघर्षों से राह बनाएं युवा

## सफलता कदम चूमेगी प्रदेश बन रहा रोजगार का हब

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी।

सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है।

यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल–इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई–लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें।

उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए, समस्याओं का समाधान करे। ऐसी तकनीकी पर फोकस करने की आवश्यकता है जो प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर विकास को नई ऊंचाई पर ले जाए।

**रोजगार का बड़ा हब बन रहा उत्तर प्रदेश**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोजगार का बड़ा हब बन रहा है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आज के तकनीकी दौर की महत्वपूर्ण जरूरत सेमी कंडक्टर का हब बनने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। इसमें सीधे निवेश के साथ कई गुना चक्रीय निवेश भी हो रहा है। इसके अनुरूप प्रशिक्षित श्रम उपलब्ध कराने के लिए आगे आने की जिम्मेदारी तकनीकी संस्थाओं की है।

**एमपीआईटी परिसर में बन रहा पूर्वी यूपी का पहला सेंटर अश्वफ एक्सीलेंस**

सीएम योगी ने कहा कि कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनियाभर में विख्यात सिलिकॉन वैली में भारत का दबदबा है और इसमें उत्तर प्रदेश के युवाओं की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन वैली, हैदराबाद और बेंगलुरु के बाद उत्तर प्रदेश को भी इस दिशा में तीव्रतम गति से आगे बढ़ना है। इसी लक्ष्य को लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) में स्थापित हो रहा है। विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पूर्वी उत्तर प्रदेश के पंद्रह अन्य तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

उन्होंने बताया किएमपीआईटी परिसर के अलग–अलग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड थ्री डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, समेत कई एकीकृत पाठ्यक्रम भी संचालित होंगे। ग्लोबल स्टैंडर्ड के पाठ्यक्रम से जुड़कर विद्यार्थी यहां प्रोफेशनल सर्टिफिकेट कोर्स, माइनर डिग्री कोर्स और एडवांस कोर्स के जरिये खुद को संबंधित उद्योग–सेवा के क्षेत्र के अनुरूप तैयार कर सकेंगे।

**ग्लोबल डिमांड के अनुरूप तैयार हों पाठ्यक्रम**

संवाद कार्यक्रम में सीएम योगी ने फैकल्टी का आह्वान किया कि वे ग्लोबल मार्केट की डिमांड का अध्ययन करें और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करें। हमारा जोर मॉडर्न एज कोर्सेज पर होना चाहिए। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी इस पर खासा काम कर रही है। यदि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यदि हम मॉडर्न एज कोर्सेज पर फोकस करेंगे तो यह शत प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी होगी।

**पांच साल में यूपी का टश्वप इंस्टिट्यूट बनाएं एमपीआईटी को**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1956 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने पहला पॉलिटेक्निक शुरू किया था। आज महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक प्रदेश के टॉप पोलिटेक्निक्स में से एक है। इसी प्रेरणा से हमें मिलकर महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) को आने वाले पांच साल में यूपी का टॉप इंस्टिट्यूट बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्था को इंडस्ट्री से जोड़ा जाए और युवाओं को सतत स्किल्ड बनाया जाए।

**छात्रों के प्रश्नों पर सीएम ने किया मार्गदर्शन**

एमपीआईटी के प्रथम बैच के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कई विद्यार्थियों में ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी, रोजगार आदि विषय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रश्न भी किए। सीएम योगी ने सभी के प्रश्नों पर अपना मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल भी उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में स्वागत संबोधन एमपीआईटी के निदेशक डॉ. सुधीर अग्रवाल ने तथा आभार ज्ञापन एमपी पॉलिटेक्निक के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल प्रकाश सिंह ने किया।

# सिपाही के पक्ष में गोरक्षवासी सडकों पर, कोर्ट ने मांगी पुलिस से रिपोर्ट– जमकर प्रदर्शन भी

गोरखपुर। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानू पांडेय ने बताया कि डॉक्टर पर केस दर्ज करने के लिए कोर्ट ने कैंट थाने से इस केस की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही 14 अक्तूबर को सिपाही की जमानत अर्जी पर सुनवाई होनी है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघ, सिपाही के साथ है। जब तक डॉक्टर पर केस दर्ज नहीं हो जाता, हमारा प्रयास जारी रहेगा। डॉक्टर– सिपाही मारपीट प्रकरण कोर्ट पहुंच गया है।

सिपाही से मारपीट के मामले में डॉ. अनुज सरकारी पर केस दर्ज कराने के लिए अधिवक्ताओं ने बुधवार को कोर्ट में बीएनएस 175 (3) के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) के यहां प्रार्थना पत्र दिया है। अधिवक्ता ऋषिकेश पांडेय ने यह अर्जी डाली है। साथ ही सिपाही पंकज कुमार के जमानत की भी अर्जी दी है। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानू पांडेय ने बताया कि डॉक्टर पर केस दर्ज करने के लिए कोर्ट ने कैंट थाने से इस केस की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही 14 अक्तूबर को सिपाही की जमानत अर्जी पर सुनवाई होनी है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघ, सिपाही के साथ है। जब तक डॉक्टर पर केस दर्ज नहीं हो जाता, हमारा प्रयास जारी रहेगा। उधर, एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में बुधवार को राम सिंह, राधेश्याम सिंह, ओम नारायण पांडे, विश्वजीत त्रिपाठी पार्षद, धर्मेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य लोग मंडलीय कारागार गोरखपुर में बंद पुलिस कांस्टेबल पंकज कुमार से मिले। वहां सिपाही से घटनाक्रम के बारे में जाना। उन्होंने सिपाही और उसकी पत्नी की ओर से दी गई दोनों तहरीर पर डॉ. अनुज सरकारी पर केस दर्ज करने की मांग की।

**कांग्रेस नेताओं ने एसएसपी को दिया पत्र**

बुधवार दोपहर करीब एक बजे कांग्रेस पार्टी की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल एसएसपी के पास पहुंचा। उन्होंने एसएसपी को पत्र देते हुए सिपाही को न्याय और डॉ. अनुज सरकारी व उनके बाउंसरों पर केस दर्ज करने की मांग की। विश्वविद्यालय के छात्र नेता प्रतीक तिवारी ने एसपी सिटी को पत्र देकर सिपाही को न्याय दिलाने की मांग की।

**आम जनमानस ने किया विरोध–प्रदर्शन**

जनहित युवा शक्ति के अध्यक्ष समाजसेवी निखिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में गोलघर स्थित गांधी प्रतिमा पर डॉक्टर अनुज सरकारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान गोरखपुर के वरिष्ठजनों ने इस विरोध प्रदर्शन से जुडकर जिला प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जल्द निष्पक्ष कार्यवाही नहीं होती है तो हम लोग सडक जाम करके विरोध करेंगे। इस दौरान राजन सिंह सूर्यवंशी, कुलदीप पांडे, नितिन श्रीवास्तव, कृष्णा तिवारी, विशाल सिंह, आशुतोष पांडेय उपस्थित रहे। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डॉक्टर– सिपाही विवाद में तीन दिनों में अस्पताल कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग डीजीपी को पत्र भेजकर की है।

# हार्बर्ट बंधा फोरलेन– सड़क की चौड़ाई पांच मीटर घटाई..टूटने से बचेंगे 200 मकान–दुकान

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल से राजघाट हार्बर्ट बंधे के किनारे दुकान और मकान बनवाने वालों को बडी राहत मिलने जा रही है। अब यहां बनने वाले फोरलेन की चौडाई पांच मीटर कम की जाएगी। इससे करीब 200 मकान व दुकानें टूटने से बच जाएंगी। पहले यह सडक करीब 29 मीटर चौडी स्वीकृत थी, लेकिन अब पीडब्ल्यूडी ने 24 मीटर रखने का निर्णय लिया है। इसी चौडाई पर सर्वे कर मकानों पर निशान लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हार्बर्ट बंधे के किनारे नरकटिया मोहल्ले में चिंगारी यादव का डूब क्षेत्र की तरफ और उसके सामने शहर की तरफ भल्लर का मकान है। पहले 29 मीटर चौडी सडक के लिए उनके मकान पर निशान लगाए गए थे। डूब क्षेत्र की तरफ बीच सडक से 18 मीटर और शहर की तरफ 12 मीटर पर निशान लगाए गए। उस समय चिंगारी का मकान 8.70 मीटर और भल्लर का चार मीटर टूटने वाला था। इससे उनके मकान की पूरी रंगत ही खत्म हो रही थी। पूरा परिवार परेशान था। अब नए सर्वे के अनुसार उनके मकान पर टूटने के लिए 3.70 मीटर का ही निशान लगा है। चिंगारी ने कहा कि वह बहुत खुश है कि मकान का आंशिक हिस्सा ही टूटेगा। चिंगारी की तरह करीब 200 लोगों के मकान व दुकान टूटने से बच गए हैं। अगर टूटेंगे तो भी आंशिक रूप से ही। बसंतपुर वार्ड के पार्षद विजेंद्र अग्रहरि ने कहा कि प्रभावित लोग सडक की चौडाई कम करने की मांग कर रहे थे। सडक के टेंडर से चौडाई की वास्तविक जानकारी होने के बाद लोगों में खुशी है।

सिद्धार्थनगर। अकरम की मौत हो जाने का मान कर गांव में कब्र खोदकर तैयार कर दी गई। दफन करने की तैयारी चल ही रही थी कि उसी समय डीप फ्रीजर में रखे अकरम की शरीर में कुछ हरकत हुई। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के सिकहरा गांव में बुधवार को एक जिंदा व्यक्ति को मृत समझ कर गांव और परिवारवालों ने उसके शरीर को डीप फ्रीजर में रख दिया। बॉडी को दफन करने की तैयारी भी होने लगी।

इसी बीच करीब दो घंटे बाद किसी की नजर उस पर पड़ी तो शरीर में हरकत दिखी। यह देख परिवार के लोग खुश हो गए। उन्हें पहले सीएचसी फिर बस्ती के कैली अस्पताल ले जाया गया, लेकिन एक घंटे बाद ही वहां उनका निधन हो गया। इस दौरान सोशल मीडिया में मृत व्यक्ति को जिंदा हो जाने की खबरें वायरल होने लगीं।

सिकहरा गांव निवासी 55 वर्षीय अकरम मुंबई में भंगार का कारोबार करते थे। वह अपने परिवार के मुंबई में रहते थे। अकरम के रिश्तेदार इरशाद से पता चला कि अकरम को मुंबई में सोमवार को हृदय की बीमारी होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां तबीयत बिगड़ने के बाद वह कोमा में चले गए। मुंबई में डॉक्टरों ने जवाब दे दिया तो अस्पताल की टीम के साथ उन्हें ऑक्सीजन लगाकर घर भेज दिया गया। बुधवार सुबह करीब चार बजे एंबुलेंस सिकहरा गांव पहुंची। बीमार अकरम को उनके घर पहुंचा कर टीम चली गई। एंबुलेंस में आए डाक्टर ने जाते–जाते बताया था कि हालत नाजुक है। दो चार घंटे तक यह जीवित रह सकेंगे। एंबुलेंस के जाने के कुछ देर बाद उनकी सांस बंद होने स्थिति सामने आ गई। लोगों ने समझ लिया कि अकरम की मौत हो गई। उसके बाद उनके शरीर को डीप फ्रीजर में डाल दिया गया।

### चल रही थी दफन करने की तैयारी.. शरीर में आ गई जान

अकरम की मौत हो जाने का मान कर गांव में कब्र खोदकर भी तैयार कर दी गई। दफन करने की तैयारी चल ही रही थी कि उसी समय डीप फ्रीजर में रखे अकरम की शरीर में कुछ हरकत हुई। नजदीक जाने पर पता चला कि उनकी सांस चल रही है। आनन–फानन उन्हें बेंवा सीएचसी पहुंचाया गया। वहां उपचार करने के बाद डाक्टरों ने हालत गंभीर देखकर बस्ती के कैली अस्पताल रेफर कर दिया। वहां बुधवार दोपहर करीब दो बजे इलाज के दौरान अकरम की मृत्यु हो गई।

# चिड़ियाघर के पास चाकू मारकर 12वीं के छात्र की हत्या

## चाय पीने के दौरान हुई थी बहस

गोरखपुर। रामगढ़ताल क्षेत्र के रामगढ़ गांव के अमन और आकाश में विवाद चल रहा है। कई बार दोनों की आमने–सामने झड़प भी हो चुकी है। बुधवार को अमन के मामा मंझरिया निवासी अजीत, सावन और पांच छह अन्य लड़कों के साथ आकाश के दोस्तों को समझाने गए थे। आकाश के दोस्त वीरू, विनय और अरुण चिड़ियाघर के पास एक दुकान पर बैठकर चाय पी रहे थे। रामगढ़ताल क्षेत्र के चिड़ियाघर के पास बुधवार को आपसी विवाद में 12वीं में पढ़ने वाले, राजघाट के बसंतपुर मोहल्ला निवासी सावन कुमार (17) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। अपराह्न तीन बजे हुई घटना के बाद पुलिस घायल सावन को जिला अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टर ने उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शाम चार बजे उसकी मौत हो गई। मामले में सावन के पिता रमेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों, रामगढ़ गांव के विनय यादव, वीरू निषाद और अरुण निषाद पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। रामगढ़ताल थाने की पुलिस ने दो आरोपियों विनय और वीरू को गिरफ्तार भी कर लिया है। एक आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, रामगढ़ताल क्षेत्र के रामगढ़ गांव के अमन और आकाश में विवाद चल रहा है। कई बार दोनों की आमने–सामने झड़प भी हो चुकी है। बुधवार को अमन के मामा मंझरिया निवासी अजीत, सावन और पांच छह अन्य लड़कों के साथ आकाश के दोस्तों को समझाने गए थे। आकाश के दोस्त वीरू, विनय और अरुण चिड़ियाघर के पास एक दुकान पर बैठकर चाय पी रहे थे। वहां पहुंचा अजीत वीरू, विनय और अरुण निषाद को आकाश के साथ रहने से मना करने लगा। बातचीत करते–करते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अजीत और अन्य युवक भाग गए। वीरू, विनय और अरुण ने मिलकर सावन को पकड़ लिया और उसके पेट और पीठ पर कई बार चाकू से ताबड़तोड़ वार कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस सावन को बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वीरू को भी पैर में चाकू लगा है। उसका जिला अस्पताल में उपचार कराया गया है।

### लेहड़ा देवी से आया और प्रसाद देकर घर से निकल गया सावन

सावन के पिता रमेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को सावन दोस्तों के साथ लेहड़ा देवी मंदिर दर्शन करने गया था। दूसरे दिन बुधवार सुबह करीब 10 बजे घर लौटा। घर पर प्रसाद देकर वह फिर अपने दोस्तों अजीत यादव, जितेंद्र निषाद, अजय सिक्की, सम्राट ठाकुर, सतीश के साथ कहीं घूमने निकल गया।

तीन बजे जानकारी मिली कि वीरू, विनय और अरुण ने मिलकर उनके बेटे को चाकू मार दिया है। सावन को पेट में दो और पीठ पर दो जगह चाकू के गहरे निशान थे। रमेश के चार बच्चे हैं। दो भाई और दो बहनों में वह दूसरे नंबर पर था। रमेश की घंटाघर के चौधरी गली में सोने–चांदी की डिजाइन की दुकान है। पिता के काम में सावन भी हाथ बंटाता था। वह डीएवी इंटर कॉलेज में 12वीं का छात्र था। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि चिड़ियाघर के पास एक दुकान में मारपीट और चाकूबाजी की घटना हुई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। बहुत जल्द तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# बेलीपार में अगवा कर युवक की हत्या

## गड़ासे से काटकर मार डाला–10 नामजद पर केस दर्ज–4 गिरफ्तार

गोरखपुर। बुधवार को मां सलहंता देवी की तहरीर पर पुलिस ने गांव के अखिलेश सिंह, सूर्यनाथ यादव, बैजनाथ यादव, रामप्रवेश, नन्ही, प्रदीप सिंह उर्फ पिंटू, बैजनाथ यादव, संगम यादव, अमन यादव, सोमनाथ यादव और तीन अज्ञात पर केस दर्ज किया। इसमें मुख्य आरोपी सूर्यनाथ समेत सोमनाथ, अमन और रामप्रवेश को गिरफ्तार कर पुलिस ने गड़ासा और घटना में प्रयुक्त बोलेरो बरामद कर लिया है।

बेलीपार इलाके के चंदौली बुजुर्ग निवासी जयेश निषाद (25) की मंगलवार को अपहरण करने के बाद गड़ासे से प्रहार कर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपियों ने दूर ले जाकर झाड़ियों में शव छिपा दिया। देर रात पुलिस ने बांसगांव–उरुवा थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित तुर्रा नाले के पास से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, गांव की एक विवाहिता को भगा ले जाने के चक्कर में महिला के घरवालों ने हत्या की घटना को अंजाम दिया है।

मां सलहंता देवी की तहरीर पर पुलिस ने गांव के अखिलेश सिंह, सूर्यनाथ यादव, बैजनाथ यादव, रामप्रवेश, नन्ही, प्रदीप सिंह उर्फ पिंटू, बैजनाथ यादव, संगम यादव, अमन यादव, सोमनाथ यादव और तीन अज्ञात पर केस दर्ज किया। इसमें मुख्य आरोपी सूर्यनाथ समेत सोमनाथ, अमन और रामप्रवेश को गिरफ्तार कर पुलिस ने गड़ासा और घटना में प्रयुक्त बोलेरो बरामद कर लिया है।

एसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार तोमर ने बताया कि चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी सूर्यनाथ के पास से हत्या में प्रयुक्त गड़ासा बरामद किया गया है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। चंदौली बुजुर्ग निवासी जयेश निषाद के पिता रामहजूर और छोटे भाई हैदराबाद में काम करते हैं। गांव पर मां सलहंता देवी और जयेश रहते थे। आरोप है कि 23 अगस्त 2024 को जयेश गांव की एक शादीशुदा महिला को भगा ले गया। इसके बाद महिला के पिता सूर्यनाथ यादव ने थाने में तहरीर देकर जयेश समेत घरवालों पर केस दर्ज कराया। इसके बाद से ही उसकी मां गांव छोड़कर मायके चली गई और जयेश ने भी घर जाना बंद कर दिया।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार को जयेश किसी काम से बेलीपार स्थित एक दुकान पर गया था। यहां से वह भीटी मार्ग पर जा रहा था। इसकी जानकारी सूर्यनाथ को हो गई। सूर्यनाथ अपनी बोलेरो से अन्य लोगों साथ जयेश को खोजते हुए भीटी मार्ग पहुंचा और उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद गाड़ी में ही उसके सिर पर गड़ासे से प्रहार कर हत्या कर दी।

# अपनों के मुर्दा खातों की मिलेगी जानकारी

गोरखपुर। लीड बैंक मैनेजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि अगर किसी भी बैंक में 10 साल से ज्यादा समय तक कोई लेन–देन नहीं किया जाता है तो खाता पूरी तरह से बंद हो जाता है। उस धनराशि को आरबीआई के यूटीआई में ट्रांसफर कर दिया जाता है। जब कोई नॉमिनी आता है और बैंक में सारी प्रक्रिया को पूरी करता है तो उसे वह राशि मिल जाती है। जंगल कौडिया की एसबीआई शाखा में कूटरचित दस्तावेज के जरिए 80 लाख रुपये से अधिक की जालसाजी का मामला सामने आने के बाद ग्राहकों में दहशत है। अब सभी अपने खातों को चेक कर रहे हैं। कई तो ऐसे हैं, जिनके पिता या रिश्तेदार की मौत हो चुकी है और उनके खातों की जानकारी नहीं है।

ऐसे में आरबीआई का एक पोर्टल काफी मददगार साबित हो सकता है। इस पोर्टल पर डेथ खाते (मुर्दा) की जानकारी भी मिल जाएगी। पोर्टल के जरिए जिस बैंक में खाता, एफडी होगी, सब कुछ सामने होगा। इसके बाद संबंधित बैंक में जाकर आवेदन करने पर एक महीने के भीतर रकम मिल जाएगी।

आरबीआई ने अनक्लेम्ड डिपॉजिट–गेटवे टू एक्सेस इंफॉर्मेशन पोर्टल लांच किया है। लीड बैंक अधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि यह डीप अकाउंट में चली गई राशि से जुडा पोर्टल है। बैंक उपभोक्ताओं के लिए डाटा तक पहुंच को बेहतर और व्यापक बनाने के लिए आरबीआई ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने का निर्णय लिया था। उपभोक्ताओं को इनपुट के आधार पर विभिन्न बैंकों में पडी राशि को खोज करने लिए मौका मिलता है। लीड बैंक मैनेजर के अनुसार, यूडीजीएएन पोर्टल से उपभोक्ता आसानी से बैंक खातों और उसमें जमा राशि के बारे में जानकारी कर सकेंगे। फिलहाल पोर्टल पर सात बैंकों में मौजूद मुर्दा खातों की जानकारी की जा सकती है। 15 अक्तूबर तक सभी बैंकों का डाटा मौजूद होने की संभावना है।

### इन बैंक में अनक्लेम्ड कैश

एसबीआई करीब 10 हजार करोड
पीएनबी करीब 6 हजार करोड
केनरा करीब 5 हजार करोड
बैंक ऑफ बडौदा करीब 45 हजार करोड

### 10 साल में खाता पूरी तरह से होता है बंद

लीड बैंक मैनेजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि अगर किसी भी बैंक में 10 साल से ज्यादा समय तक कोई लेन–देन नहीं किया जाता है तो खाता पूरी तरह से बंद हो जाता है। उस धनराशि को आरबीआई के यूटीआई में ट्रांसफर कर दिया जाता है। जब कोई नॉमिनी आता है और बैंक में सारी प्रक्रिया को पूरी करता है तो उसे वह राशि मिल जाती है।

### इस तरह से कर सकते हैं आवेदन

यूडीजीएएम पोर्टल पर मोबाइल नंबर, नाम, पासवर्ड और दिया हुआ कैप्चा भरें।
पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी जाएगा। आगे बढने के लिए ओटीपी को दर्ज करें।
खाते में लॉगिन करने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर और पासवर्ड का उपयोग करें।
एक बार लॉगिन होने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा के लिए एक और ओटीपी दर्ज करने के लिए आएगा।

### एक पेज पर खाताधारक का नाम और बैंक का नाम दर्ज करना होगा।

इसके अतिरिक्त पैन, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर, पासपोर्ट नंबर या जन्मतिथि जैसे विकल्पों में से खोज मानदंड चुनें। जमा विवरण को फिर प्राप्त करने और प्रदर्शित करने के लिए सिस्टम को ट्रिगर करने के लिए खोज बटन पर क्लिक करना होगा। लीड बैंक मैनेजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आरबीआई ने अनक्लेम्ड डिपॉजिट–गेटवे टू एक्सेस इंफॉर्मेशन पोर्टल को लांच किया है। अभी फिलहाल सात बैंकों का डाटा मौजूद है। इस पोर्टल से लोग अपनों के उन खातों की जानकारी कर सकते हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं है। जानकारी के बाद संबंधित बैंक में आवेदन कर रकम हासिल कर सकते हैं।

# सिपाही–डाक्टर मारपीट मामला

## गोरखपुर में अधिवक्ताओं की अर्जी पर कोर्ट ने थाने से मांगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में बीते दिनों एक हैरान करने वाला मामला सामने आया था। यहां एक सिपाही अपनी पत्नी को दिखाने के लिए डॉक्टर अनुज सरकारी यहां पहुंचा। वहां किसी बात को लेकर बहस हो गई और डॉक्टर के कर्मचारियों ने मिलकर सिपाही को पीट दिया। इस बात का बदला लेने के लिए सिपाही ने हथौडे से डॉक्टर का सिर फोड दिया। सिपाही फिलहाल जेल में है।

सिपाही की जमानत के लिए भी डाली गई है अर्जी, 18 को होगी सुनवाई

एकतरफा कार्रवाई से नाराज हैं लोग, डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग

जागरण संवाददाता,
गोरखपुर। सिपाही को पीटने के मामले में डा. अनुज सरकारी पर केस दर्ज कराने के लिए अधिवक्ताओं ने कोर्ट में बीएनएस 175 (3) के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) के यहां प्रार्थना पत्र डाला है। अधिवक्ता ऋषिकेश पांडेय ने यह अर्जी डालने के साथ ही सिपाही पंकज कुमार के जमानत के लिए भी अर्जी डाली है। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानू पांडेय ने बताया कि डाक्टर पर केस दर्ज करने के लिए कोर्ट ने कैंट थाने से इस केस की रिपोर्ट मांगी है। 18 अक्तूबर को सिपाही के जमानत पर भी सुनवाई होनी है।

उन्होंने कहा कि अधिवक्ता संघ सिपाही के साथ है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि जब तक डाक्टर पर कार्रवाई नहीं हो जाती अधिवक्ता प्रयासरत रहेंगे।

# गोरखपुर में युवक का अपहरण के बाद हत्या

## सिर को ईंट से कूचकर उतारा मौत के घाट, ऑनर किलिंग की आशंका

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। उसका शव बुधवार की सुबह बांसगांव–उरुवा की सीमा से बरामद हुआ। आशंका जताई जा रही है कि जयेश की हत्या ऑनर किलिंग में की गई है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

बेलीपार के भीटी मार्ग से जयेश को उठाए थे आरोपित, बांसगांव–उरुवा सीमा पर बरामद हुआ शव

एक युवती के अपहरण का युवक पर दर्ज था केस, कुछ को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

बेलीपार के चंदौली बुजुर्ग निवासी जयेश निषाद की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। बुधवार की सुबह उसका शव बांसगांव–उरुवा की सीमा से बरामद हुआ। 23 अगस्त को गांव की एक युवती को भगाने के आरोप में जयेश पर अपहरण का मुकदमा दर्ज था। आशंका जताई जा रही है जयेश की हत्या आनर किलिंग में की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

# हाथरस भगदड मामला– भोले बाबा ने न्यायिक आयोग के सामने दर्ज कराया बयान, 121 लोगों की हुई थी मौत

पेशी के बाद निकलते हुए बाबा –

लखनऊ,संवाददाता। हाथरस में हुए सत्संग में 121 लोगों के मारे जाने के मामले में बाबा नारायण साकार हरि कडी सुरक्षा के बीच बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सचिवालय के न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए। सत्संग में 121 श्रद्घालुओं की मौत मामले में बाबा नारायण साकार हरि बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सचिवालय में न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए और अपना बयान दर्ज करवाया। इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। अपने भक्तों के बीच भोले बाबा के नाम से प्रसिद्घ नारायण हरि भाजपा का झंडा लगी सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी से न्यायिक आयोग पहुंचे। गाडी विधायक बाबूराम पासवान की बताई जा रही है जो कि दारुलशफा विधायक निवास के 17 ए पर पंजीकृत है। पेशी के बाद बाबा निकल गए। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उनके वकील एपी सिंह ने कहा कि हमें राजेश यादव उर्फ फौजी पर साजिश का शक है। हमें योगी सरकार और न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

**ये था पूरा मामला**

बीती जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ के गांव फुलरई मुगलगढी में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड में 121 लोगों की मौत हो गई थी। उनका काफिला निकालने के लिए सेवादरों ने भीड को रोक दिया था, इस दौरान उनकी चरण रज लेने की होड में लोग गिरते गए। इस मामले में पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

**इनके लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ था मुकदमा, 11 लोगों को बनाया गया था आरोपी**

इस हादसे में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर सहित अन्य सेवादारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, प्राण घातक हमला करने, गंभीर चोट पहुचाने, लोगों को बंधक बनाने, निषेध्याज्ञा का उल्लंघन करने और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इन पर यह भी आरोप था कि सत्संग में 80 हजार लोगों के जुटने की शर्त का उल्लंघन कर ढाई लाख लोगों की भीड जुटाई। यातायात प्रबंधन में भी मदद नहीं की। मामले में पुलिस ने 1 अक्टूबर को चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। 3200 पेज की इस चार्जशीट में 11 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

**ये हुए थे गिरफ्तार**

घटना के बाद पुलिस ने पुलिस मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर, मेघ सिंह, मुकेश कुमार, मंजू देवी,मंजू यादव, राम लडेते, उपेंद्र सिंह,संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, दुर्वेश कुमार और दलवीर सिंह को गिरफ्तार किया था। इनमें महिला मंजू देवी और मंजू यादव की हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत स्वीकृत हो चुकी है। इनमें जमानत का सत्यापन नहीं होने और आदेश कोर्ट में नहीं पहुंचने के कारण अभी वह रिहा नहीं हो पाई है।

# दशहरा–दिवाली से पहले यूपी में अलर्ट

## सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ाई गई पुलिस–प्रशासन की मौजूदगी

### मुख्य सचिव ने कहा, किसी भी स्थिति में कहीं न बिगड़े सांप्रदायिक सौहार्द वीडियो कांफ्रेंसिंग से शांति व्यवस्था बनाए रखने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। विजय दशमी व दीपावली से पूर्व सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली घटनाओं को लेकर शासन का रुख बेहद सख्त है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने जिलों में तैनात प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को ऐसी घटनाओं को पूरी गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका भी तय की है। कहा, बुधवार शाम से ही पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी सार्वजनिक स्थलों पर नजर आनी चाहिए। प्रदेश में किसी भी स्थिति में सांप्रदायिक सौहार्द नहीं बिगड़ना चाहिए। त्योहारों को देखते हुए पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों का अवकाश स्वीकृत न किए जाने का निर्देश भी दिया।

**मुख्य सचिव ने दिए कड़े निर्देश**

मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव गृह व डीजीपी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडालायुक्त, डीएम, पुलिस आयुक्त, एसएसपी–एसपी को शांति–व्यवस्था बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मंडलायुक्त व एडीजी जोन, डीएम व एसएसपी तथा एएसपी व एडीएम संयुक्त रूप से अलग–अलग दिन पुलिस बल के साथ फुट पेट्रोलिंग करें। शहर के व्यस्त इलाकों, कस्बों व खासतौर पर जहां दुर्गा पूजा के पंडाल लगे हैं वहां वरिष्ठ अधिकारी फ्लैग मार्च कराएं।

यूपी 112 की पीआरवी को भ्रमणशील रखा जाए। भड़काऊ भाषण देकर माहौल बिगाड़ने

वालों से सख्ती से निपटा जाए।

**इंटरनेट मीडिया पर रखी जाएगी नजर**

एक समुदाय की ओर से दूसरे समुदाय पर इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी अथवा पुराने वीडियो प्रसारित कर जानबूझकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किए जाने, किसान संगठनों वेशभूषा बनाकर कानून व्यवस्था बिगाड़ने की स्थिति पैदा करने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे शरारती तत्वों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जाए।

इंटरनेट मीडिया की लगातार निगरानी की जाए। धर्मगुरुओं के साथ बैठक कर चर्चा की जाए कि वे आपत्तिजनक टिप्पणी कर दूसरे धर्म की भावनाओं को आहत न करें। महिला पुलिस अधिकारी द्वारा गर्ल्स हास्टल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल किए जाने का निर्देश भी दिया गया। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, डीजीपी प्रशांत कुमार व एडीजी कानून–व्यवस्था अमिताभ यश ने भी कई निर्देश दिए।

*दशहरा और दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली घटनाओं को रोकने के लिए नए आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लेने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों पर मौजूद रहने और फ्लैग मार्च करने को कहा गया है।*

**मंदिरों के आसपास मुस्तैद रहे एंटी रोमियो स्क्वाड**

डीजीपी प्रशांत कुमार ने नवमी के दिन मंदिरों में अधिक संख्या में महिलाओं व बालिकाओं के पहुंचने के दृष्टिगत कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया है। कहा है कि मंदिरों के आसपास एंटी रोमियो स्क्वाड भी मुस्तैद रहे। दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूसों के मार्ग पर छतों पर भी पुलिसकर्मियों की तैनात किए जाने के साथ ही शरारती तत्वों पर नजर रखे जाने का निर्देश दिया है। कहा कि रावण दहन के स्थलों पर अग्निशमन समेत अन्य सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराए जाएं।

# यूपी विधानसभा उपचुनाव में सपा कांग्रेस का जारी रहेगा गठबंधन

## अखिलेश यादव ने अटकलों पर लगाया विराम

### अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह यादव को अर्पित की श्रद्धांजलि सपा मुखिया ने कांग्रेस के साथ गठबंधन पर दिया रिएक्शन

संवाददाता, इटावा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव की द्वितीय पुण्य तिथि उनके गांव सैफई में मनाई जा रही है। उनके पुत्र व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव मुलायम सिंह यादव की समाधि पर पुष्प अर्पित करने पहुचे। इसके साथ–साथ परिवार के अन्य लोग भी समाधि पर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सपा का कांग्रेस से प्रदेश के उपचुनाव में गठबंधन रहेगा और वे आइएनडीआइ गठबंधन का हिस्सा रहेंगे।

**उपचुनावों में कांग्रेस के साथ गठबंधन की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेगे और आईएनडीआईए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि मुलायम सिंह यादव को पूरे परिवार ने श्रद्धांजलि दी है साथ ही उन्होंने स्वर्गीय रतन टाटा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।**

# यूपी उपचुनाव में 2 सीटों पर सिमट सकती है कांग्रेस

## 5 सीटों की दावेदारी पड़ी फीकी, आखिरी समय में सपा ने दिया झटका

**उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा ने 10 में से 6 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर कांग्रेस को झटका दिया है। कांग्रेस उपचुनाव में भाजपा और रालोद के हिस्से रहीं पांच सीटों पर अपनी दावेदारी कर रही थी लेकिन अब उसके हिस्से केवल दो सीटें ही आने की उम्मीद है। जानें कि सपा ने किन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। विधानसभा उपचुनाव के लिए 10 में से छह सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर सपा ने कांग्रेस को झटका दिया है। कांग्रेस उपचुनाव में भाजपा व रालोद के हिस्से रहीं पांच सीटों पर अपनी दावेदारी कर रही थी। अब उसके हिस्से दो सीटें ही आने की उम्मीद है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कांग्रेस का अपने सहयोगी दलों पर दबाव कम होता दिख रहा है। सपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारा था। ऐसे में उपचुनाव में वह सात से आठ सीट पर अपनी दावेदारी बरकरार रखेगी। पिछले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के हिस्से रही मीरापुर सीट को भी सपा अपने हिस्से में जोड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में सपा व रालोद के बीच गठबंधन था।

प्रदेश कांग्रेस ने सपा से गठबंधन के तहत उपचुनाव के लिए पांच सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व के सामने रखा था। इनमें भाजपा के हिस्से रहीं फुलपुर, खैर, गाजियाबाद व मझवां के अलावा रालोद के हिस्से रही मीरापुर सीट पर कांग्रेस अपनी उम्मीदवार मैदान में उतारने की तैयारी में थी।

**सपा ने छह सीटों पर उम्मीदवार किए घोषित**

सपा के छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद अब गाजियाबाद, खैर, मीरापुर व कुंदरकी सीट बची हैं। इनमें गाजियाबाद व खैर कांग्रेस के हिस्से आ सकती हैं। कुंदरकी व मीरापुर सीट सपा के हिस्से में ही रहने की उम्मीद अधिक है। हालांकि कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर संविधान सम्मान सम्मेलन के जरिए कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने की घोषणा की थी। कांग्रेस ने इसकी शुरुआत प्रयागराज के फूलपुर विधानसभा क्षेत्र से की थी। जिसके बाद मंझवा, मीरापुर व खैर विधानसभा क्षेत्र में सम्मेलन हुआ। कांग्रेस ने बुधवार को कानपुर के सीसामऊ विधानसभा क्षेत्रों में संविधान सम्मेलन का आयोजन किया। शेष पांच सीटों पर 14 से 18 अक्टूबर के मध्यम सम्मेलन होंगे। कांग्रेस सभी 10 सीटों के लिए वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी व पर्यवेक्षक नियुक्त कर चुकी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि उपचुनाव में पांच सीटों पर लड़ने का प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को दिया था। सपा से सीटों के बंटवारे पर अंतिम निर्णय उसी को लेना है। कांग्रेस का लक्ष्य भाजपा को हराना है।

# यूपी के बाहर सपा–कांग्रेस में 'हम आपके हैं कौन' वाला रिश्ता!

**यूपी के बाहर समाजवादी पार्टी को तरजीह नहीं दे रही कांग्रेस मध्य प्रदेश के बाद हरियाणा में भी सपा को हाथ लगी मायूसी**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। वर्ष 2017 के यूपी विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को अन्य राज्यों में एक दूसरे का साथ पसंद नहीं आ रहा है। पहले मध्य प्रदेश और अब हरियाणा में कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं देकर यह संदेश दे दिया है कि गठबंधन केवल उत्तर प्रदेश तक ही रहेगा। दूसरे प्रदेशों में सपा का प्रभाव न होने के कारण कांग्रेस उसे गठबंधन से दूर रख रही है।

**महाराष्ट्र में भी गठबंप्रान को लेकर संशय**

अब महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी सपा का कांग्रेस से गठबंधन हो सकेगा, इसे लेकर संशय है। वहीं, यूपी विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी सपा इसका जवाब कांग्रेस को दे सकती है। यूपी में सपा की स्थिति कांग्रेस से कहीं अधिक मजबूत है। लोकसभा चुनाव में यूपी में 37 सीटें जीतने वाली सपा दूसरे राज्यों की विधानसभाओं में खाता खोलकर राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त करना चाहती है। दूसरे राज्यों में सपा का संगठन उतना प्रभावी नहीं है, जितना उत्तर प्रदेश में है।

**मप्रय द्रदेश में भी दिया था झटका**

ऐसे में सपा ने कांग्रेस के सहारे चुनाव मैदान में उतरने की कोशिश कई बार की है। पहले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती थी। उस चुनाव में कांग्रेस के सपा से गठबंधन न करने पर सपा ने अपने दम पर 22 प्रत्याशी उतारे थे। सपा का खाता तो नहीं खुला, लेकिन कांग्रेस को कुछ सीटों पर नुकसान जरूर हुआ। हरियाणा की मुस्लिम और यादव बहुल 12 विधानसभा सीटों पर सपा ने कांग्रेस से गठबंधन करने का प्रयास किया था। बात पांच और फिर तीन सीट पर आकर टिक गई थी। कांग्रेस ने अपनी सूची जारी की तो एक भी सीट सपा के लिए नहीं छोड़ा।

**अखिलेश ने दिए त्याग के संकेत**

हालांकि, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'बात सीट की नहीं, जीत की है' कहकर गठबंधन धर्म निभाने के लिए त्याग करने के संकेत दे दिए। हरियाणा के सपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी भी कहते हैं कि तीन सीटों को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को संदेश भेजा था। संगठन ने पूरी तैयारी की, लेकिन कांग्रेस इससे पीछे हट गई। वहीं, दूसरी ओर जम्मू– कश्मीर की 20 सीटों पर सपा ने कांग्रेस गठबंधन नहीं होने पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। जम्मू –कश्मीर में कांग्रेस और सपा आमने–आमने है। अखिलेश के जम्मू–कश्मीर में प्रचार के लिए भी जाने की तैयारी है। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के बाद अब महाराष्ट्र मे गठबंधन को लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं।

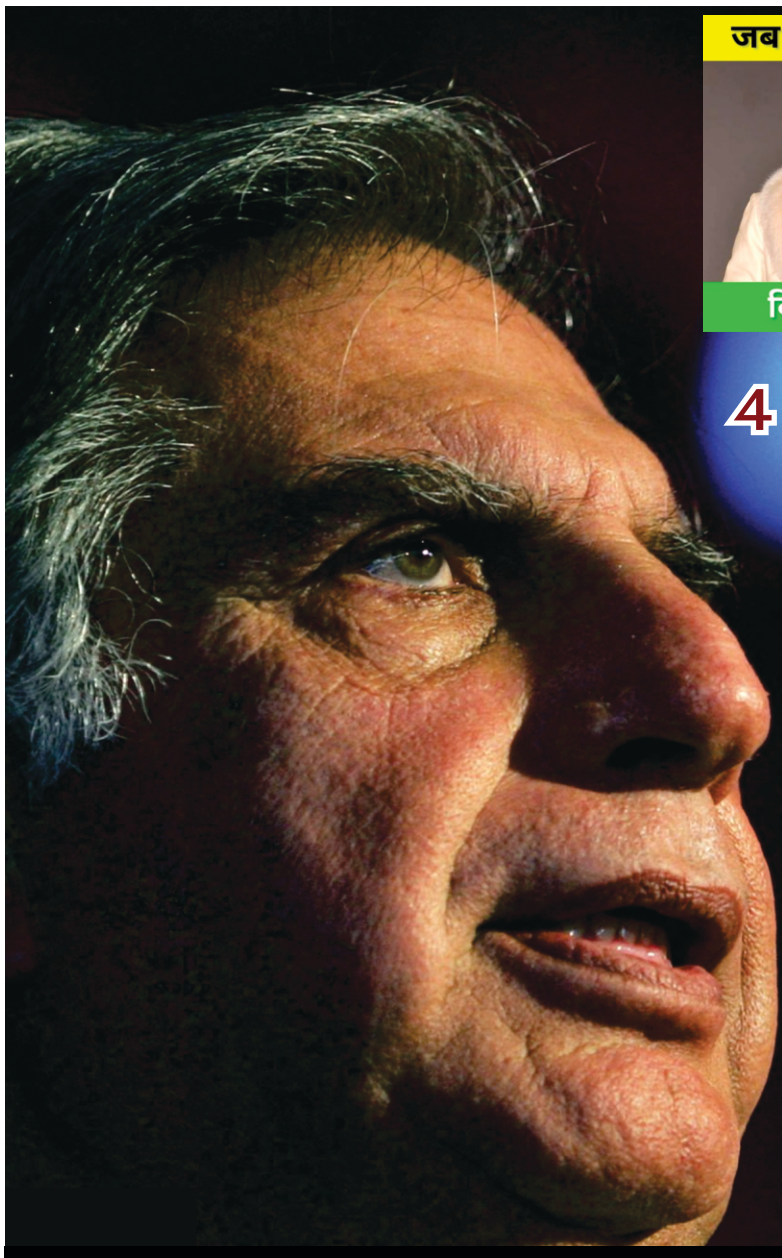

जब एक दूसरे के प्यार में पागल थे दोनों

किस कारण से अधूरा रह गया रिश्ता

## 4 प्रेमिकाएं थी लेकिन शादी किसी से नहीं हो पाई

## गरीबों-जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे रतन टाटा

# अलविदा रतन टाटा

*देश के जाने–माने उद्योगपति और टाटा संस के आजीवन चेयरमैन एमिरेट्स, रतन टाटा नहीं रहे। 86 साल की उम्र में भी सक्रिय शीर्ष उद्योगपति ने बुधवार रात करीब 11:30 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। टाटा समूह 2023–24 में 13 लाख 85 हजार करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक है। भारत के रतन कहे जाने वाले दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा अरबपतियों में शामिल होने के बावजूद अपनी सादगी से हर किसी का दिल जीत लेते थे। वह उन शख्सियतों में शुमार थे, जिनका हर कोई सम्मान करता था। कई मौकों पर उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद कर भारतीयों को गर्व महसूस कराया।*

# भारत ने खोया रतन

## जिसे छुआ सोना बना दिया... ऐसे थे रतन टाटा

### बचपन में माता-पिता हुए अलग, दादी ने पाला

**रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को हुआ था और लेकिन उनका बचपन बहुत अच्छा नहीं बीता**

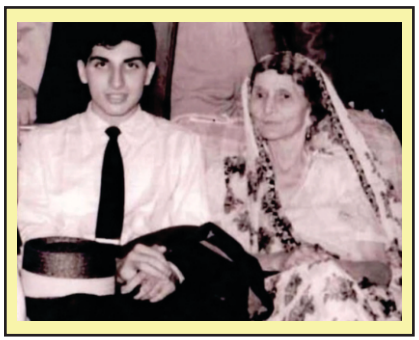

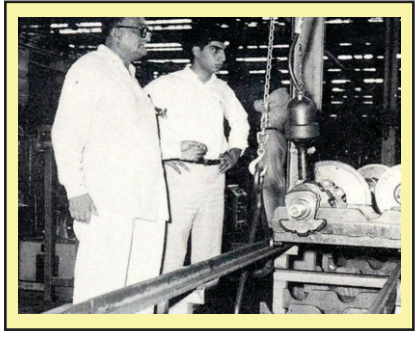

दिल्ली। देश के जाने–माने उद्योगपति और टाटा संस के आजीवन चेयरमैन एमिरेट्स, रतन टाटा नहीं रहे। 86 साल की उम्र में भी सक्रिय शीर्ष उद्योगपति ने बुधवार रात करीब 11:30 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। टाटा समूह 2023–24 में 13 लाख 85 हजार करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक है। भारत के रतन कहे जाने वाले दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा अरबपतियों में शामिल होने के बावजूद अपनी सादगी से हर किसी का दिल जीत लेते थे। वह उन शख्सियतों में शुमार थे, जिनका हर कोई सम्मान करता था। कई मौकों पर उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद कर भारतीयों को गर्व महसूस कराया।

रतन टाटा की शख्सियत को देखें, तो वह सिर्फ एक बिजनेसमैन नहीं, बल्कि सादगी से भरे नेक और दरियादिल इन्सान, लोगों के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत भी थे। अपने समूह से जुड़े छोटे से छोटे कर्मचारी को भी अपने परिवार की तरह मानते थे और उनका ख्याल रखने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ते थे। उनके व्यक्तित्व का एक और पहलू उम्र के सात दशक पूरे करने के बावजूद सक्रिय रहना रहा। 2011 की बंगलूरू एयर शो की उनकी तस्वीरें आज भी चाहने वालों के दिलो–दिमाग में जीवंत है, जब 73 साल की आयु में रतन टाटा ने एफ–17 लड़ाकू विमान के कॉकपिट में उड़ान भरी थी।

### दरियादिल रतन टाटा

**सादगी से जीत लेते थे दिल... कंपनी से जुड़े छोटे से छोटे कर्मचारी को भी अपना परिवार मानते थे**

**विमान उड़ाने और कारों के थे शौकीन**

जेआरडी टाटा की तरह रतन टाटा को भी विमान उड़ाने का बहुत शौक था। वह 2007 में एफ–16 फाल्कन उड़ाने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें कारों का भी बहुत शौक था। उनके संग्रह में मासेराती क्वाट्रोपोर्टे, मर्सिडीज बेंज एस–क्लास, मर्सिडीज बेंज 500 एसएल और जगुआर एफ–टाइप जैसी कारें शामिल हैं। रतन टाटा को 53 साल की उम्र में 1991 में ऑटो से लेकर स्टील तक के कारोबार से जुड़े टाटा समूह का चेयरमैन बनाया गया था। उन्होंने 2012 तक इस समूह का नेतृत्व किया, जिसकी स्थापना उनके परदादा ने एक सदी पहले की थी। 1996 में टाटा ने टेलीकॉम कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज की स्थापना की और 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को मार्केट में लिस्ट कराया था। चेयरमैन पद से हटने के बाद, टाटा को टाटा संस, टाटा इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा केमिकल्स के मानद चेयरमैन की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

**मोटे पैकेज वाली नौकरी ठुकराकर आए**

भारतीय उद्योगजगत के शिखर पुरुष रतन टाटा के शानदार सफर का आगाज बेहद साधारण दायित्व से हुआ था। टाटा समूह का उत्तराधिकारी होने के बावजूद रतन ने अपने कॅरिअर की शुरुआत टाटा स्टील के संयंत्र में भट्ठी में चूना डालने वाले कामगार के तौर पर की। वह भी तब जब वह बहुराष्ट्रीय आईटी दिग्गज आईबीएम की मोटे पैकेज वाली नौकरी ठुकराकर समूह से जुड़े थे। बचपन में माता–पिता के अलग हो जाने से रतन का पालन–पोषण 10 वर्ष की आयु तक उनकी दादी लेडी नवाजबाई ने किया। आईबीएम से नौकरी की पेशकश के बावजूद टाटा ने भारत लौटने का फैसला किया।

**कुत्तों से करते थे प्यार**

रतन टाटा को कुत्ते बहुत प्रिय थे। कुछ साल पहले एक बरसात की शाम टाटा ने आदेश दिया था कि मुंबई में समूह के मुख्यालय के बाहर किसी भी आवारा कुत्ते को आश्रय दिया जाए। यही नहीं टाटा ने 2018 में अपने बीमार कुत्ते की देखभाल के लिए प्रिंस चार्ल्स का न्योता तक ठुकरा दिया था। चार्ल्स उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देना चाहते थे। चार्ल्स को जब रतन के न आने के कारणों का पता चला तो उन्होंने उनकी खूब सराहना की।

**फोर्ड की कंपनी खरीदकर लिया अपमान का बदला**

90 के दशक में जब टाटा समूह ने अपनी कार को लॉन्च किया तब बिक्री उम्मीदों के अनुरूप नहीं हो पाई। टाटा समूह ने टाटा मोटर्स के यात्री कार विभाग को बेचने का मन बना लिया। इसके लिए रतन टाटा ने अमेरिकन कार निर्माता कंपनी फोर्ड मोटर्स के अध्यक्ष बिल फोर्ड से बात की। बातचीत के दौरान बिल फोर्ड ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा था कि तुम कुछ नहीं जानते, आखिर तुमने पैंसेजर कार डिविजन शुरू ही क्यों किया? अगर मैं यह सौदा करता हूं तो यह तुम पर बड़ा अहसान करूंगा। फोर्ड चेयरमैन के इन शब्दों से रतन टाटा बहुत आहत हुए और उन्होंने पैंसेजर कार विभाग बेचने का अपना फैसला टाल दिया

**2008 में मिला मौका**

बाद के वर्षों में टाटा मोटर्स को रतन ने बुलंदियों पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर, फोर्ड कंपनी की हालत बिगड़ती जा रही थी। डूबती फोर्ड कंपनी के प्रमुख लग्जरी ब्रिटिश ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को वर्ष 2008 में 2.3 अरब डॉलर में खरीदकर अपमान का बदला ले लिया। इतना ही नहीं फोर्ड के चेयरमैन बिल को इस सौदे के लिए भारत आकर टाटा से बातचीत करनी पड़ी। तब अपमानभरी बातें करने वाले बिल फोर्ड ने ही रतन टाटा को धन्यवाद करते हुए कहा, आप जैगुआर और लैंड रोवर सीरीज को खरीदकर हम पर बड़ा अहसान कर रहे हैं।

# अभिनेत्री ने दिया बेटी को जन्म

## शादी के तीन साल बाद मां बनीं कुंडली भाग्य फेम सना सैयद

एंटरटेनमेंट डेस्क। सना ने अपनी बेटी के जन्म की खबर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की। नोट में लिखा था, बेबी गर्ल का स्वागत है। फैंस अभिनेत्री की इस पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। कुंडली भाग्य में अपनी भूमिका के लिए मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री सना सैयद के घर किलकारी गूंजी है। अभिनेत्री ने बेटी को जन्म दिया है। 18 सितंबर को, अभिनेत्री ने तस्वीरों के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी, जिसमें वह पति इमाद शम्सी के साथ अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट नजर आ रही थीं। अभिनेत्री ऑफ–व्हाइट आउटफिट वियर कर काफी ग्लैमरस लग रही थीं। कपल ने अपनी तस्वीरों और वीडियोज से फैंस का काफी ध्यान अपनी ओर खींचा।

**बेटी की मां बनीं सना सैयद**

गुरुवार यानी 10 अक्टूबर को सना ने अपनी बेटी के जन्म की खबर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की। नोट में लिखा था, बेबी गर्ल का स्वागत है।ष फैंस अभिनेत्री की इस पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, श्बधाई हो आप पेरेंट्स बन गए हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, वाह बधाई हो आपके घर लक्ष्मी जी आई हैं। एक और यूजर ने लिखा, आप दोनों को बहुत–बहुत मुबारकबाद और बच्ची की अच्छी हेल्थ के लिए प्रार्थना।

**सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट**

हालांकि, बता दें कि अभिनेत्री ने अभी तक बच्चे का कोई वीडियो या फोटो साझा नहीं किया है। सना की प्रेग्नेंसी की खबरें पिछले कुछ महीनों से चल रही थीं, हालांकि उन्होंने इस बारे में हमेशा चुप्पी साधे रखी। पिछले महीने अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करते हुए, सना ने दिल को छू लेने वाली तस्वीरें साझा कीं और लिखा, ष्जीन्स की एक नई जोडी जैसा कुछ नहीं है!!! हमारा छोटा चमत्कार रास्ते में है।

**मेटरनिटी शूट हुई वायरल**

तस्वीरों के दूसरे सेट में सना के पति उनके बेबी बंप को गोद में लिए और किस करते हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने अपने मैटरनिटी फोटोशूट के लिए ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस चुनी। उन्होंने लिखा, हम इस पतझड में नींद की जगह एक–दूसरे को गले लगा रहे हैं।

# खेसारीलाल यादव का जुम्मा चुम्मा

मुम्बई। जुम्मा चुम्मा सॉन्ग का भोजपुरी वर्जन रिलीज, खेसारीलाल यादव संग मीका दी वोटी आई नजरश्रनउउं अमिताभ बच्चन की हिट फिल्म हम का पॉपुलर सॉन्ग जुम्मा चुम्मा का भोजपुरी वर्जन रिलीज हो गया है. इस गाने को राजाराम फिल्म में खेसारी लाल यादव और मीका दी वोटी विनर आकांक्षा पुरी पर फिल्माया गया है.

अमिताभ बच्चन की फिल्म हम 1991 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म का गाना जुम्मा चुम्मा बहुत पॉपुलर हुआ था. इस गाने को अमिताभ बच्चन और किमी काटकर पर फिल्माया गया था और इस गाने ने धूम मचाकर रख दिया है. अब जुम्मा चुम्मा गाने का भोजपुरी वर्जन चुम्मा चुम्मा आ गया है. ये भोजपुरी सॉन्ग खेसारी लाल यादव और मीका दी वोटी विनर आकांक्षा पुरी पर फिल्माया गया है. ना सिर्फ इसमें हम फिल्म के गाने की ट्यून है बल्कि इसका फिल्मांकन भी कुछ उसी तरीके से किया गया है. इस तरह खेसारी लाल यादव और आकांक्षा पुरी के इस गाने को अमिताभ बच्चन और किमी काटकर के गाने का भोजपुरी वर्जन भी कहा जा सकता है.

टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले बनी निर्माता पराग पाटिल और आर. आर. प्रिंस की अपकमिंग फिल्म राजाराम का गाना चुम्मा चुम्मा रिलीज हो गया है. भोजपुरी फिल्म राजाराम के इस गाने से आकांक्षा पुरी भोजपुरी स्क्रीन में एंट्री कर रही हैं. गाने में खेसारीलाल यादव और आकांक्षा पुरी की केमेस्ट्री मजेदार हैं.

'चुम्मा चुम्मा गाने के निर्देशक सूरज कटोच (जेनिथ) हैं, जिन्होंने कहा कि मैंने इस गाने को बडा बनाने की बहुत कोशिश की है. हमने इस गाने के जरिए खेसारी लाल यादव के उस स्टारडम को दिखाने की कोशिश की है, जो वे वाकई रियल लाइफ में भी डिजर्व करते हैं. एक लाइन में कहूं तो यह गाना बॉलीवुड के ट्रेंडिंग गानों के पैरलल है.

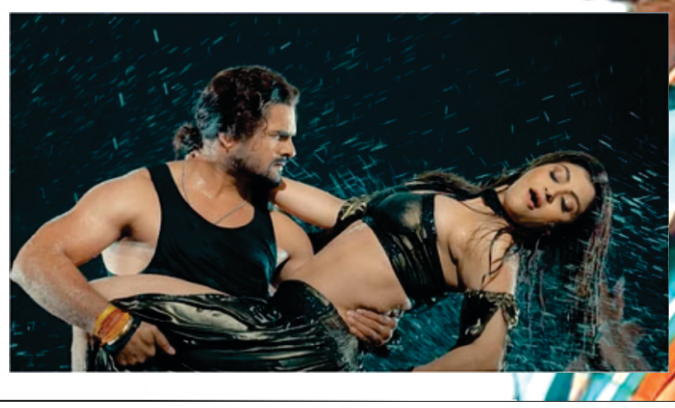

भोजपुरी सिनेमा में एंट्री को लेकर उत्साहित आकांक्षा पुरी ने बताया, यह मेरे लिए एक बेहद रोमांचक अनुभव रहा. भोजपुरी इंडस्ट्री में यह मेरा पहला गाना है और मुझे दर्शकों से जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए मैं बहुत खुश हूं.श 'चुम्माश गाने को खेसारी लाल यादव और शिल्पी राज ने गाया है. इस गाने के गीतकार पिंकू बाबा हैं और संगीतकार विनय विनायक।

# इस महिला आटो चालक से मिलना चाहते थे अक्षय कुमार दो महीने तक फोटो और नाम के सहारे की थी तलाश

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेता अक्षय कुमार को उनके व्यवहार और सोशल प्रोबलम पर आधारित फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है। अभिनेता अक्षय कुमार को लेकर अब ऑटो रिक्शा चालक छाया मोहिते ने कुछ खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे अक्षय कुमार की टीम ने दो महीने तक उनकी तलाश की थी। मुंबई की महिला ऑटो रिक्शा ड्राइवर का वीडियो देखने के बाद अक्षय कुमार ने उनसे मिलने के कई प्रयास किए। इस बारे में याद करते हुए छाया मोहिते ने अक्षय के साथ अपने कुछ अनुभव साझा किए हैं। छाया मोहिते मुंबई की पहली महिला रिक्शा चालकों में से एक थीं। उन्होंने अक्षय कुमार के साथ अपनी आश्चर्यजनक मुलाकात के बारे में बताया।

**महिला अश्वटो रिक्शा चालक से मिलना चाहते थे अक्षय कुमार**

उन्होंने कहा, उनकी टीम ने उन्हें इंटरव्यू के लिए कई दिनों तक बात की। छाया ने याद किया कि कैसे अक्षय ने अचानक उनका वीडियो देखा और मिलने का सोचा लेकिन उन्हें उनसे जुडी जानकारी हासिल करने में दो महीने लग गए थे। उनके पास छाया नाम और फोटो ही था। छाया ने बताया उन दिनों कई लोग मेरे जीवन के बारे में जानने के लिए उत्साहित थे।

**आटो में जुहू घूमने गए थे अक्षय कुमार**

छाया ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि कैसे अक्षय कुमार छाया से मिलना चाहते थे। उनकी टीम ने इसके लिए उनके पति से भी संपर्क किया। इसके बाद उन्हें एक होटल से राइड के लिए संपर्क किया गया। छाया ने बताया कि जब छाया वहां गई तब उन्होंने देखा कि अक्षय उनके ऑटो में बैठ गए। छाया ने बताया कि उन्होंने मुझसे पूछा मैं कितना कमा लेती हूं। छाया ने बताया कि ऑटो में उन्होंने अक्षय को जुहू घुमाया था। इसके बाद वह खुद उन्हें घर छोडने गई थीं। उस समय अक्षय की मां और पत्नी कहीं बाहर जा रहे थे। तब मैंने कुछ तस्वीरें भी ली थीं।

**अक्षय कुमार ने की थी छाया की आर्थिक मदद**

छाया ने बताया कि ये पैडमैन फिल्म के प्रमोशन की बात है। छाया ने कहा, अक्षय ने कहा था आप मुझसे कभी भी मिलने आ सकते हैं। आप अपने बच्चों और परिवार को भी यहां ला सकते हैं। हालांकि, इसके बाद कभी उन्हें अक्षय से मिलने का मौका नहीं मिला। छाया ने बताया कि अक्षय ने उनकी आर्थिक रूप से भी मदद की थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा वह श्हेरा फेरी 3श में भी नजर आने वाले हैं।

## बचपन से ही कार्तिक आर्यन की प्रशंसक रही हैं

# तृप्ति डिमरी

एंटरटेनमेंट डेस्क। तृप्ति डिमरी और कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली के मौके पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का प्रमोशन लगातार जारी है। इस बीच फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तृप्ति ने कहा कि वह बचपन से कार्तिक की प्रशंसक रही हैं। भूल भुलैया के निर्माताओं ने हाल ही में जयपुर में हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त भूल भुलैया 3 का ट्रेलर लॉन्च किया। इस कार्यक्रम के दौरान कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और तृप्ति सहित कई कलाकार और क्रू के सदस्य मौजूद थे। लॉन्च के दौरान, तृप्ति ने ऐसे प्रतिभाशाली सितारों के साथ काम करने के बारे में अपना अनुभव साझा किया। इस दौरान तृप्ति ने फिल्म में अपने सह–कलाकार कार्तिक को मजाकिया अंदाज में चिढाते हुए बताया कि वह बचपन से ही उनकी प्रशंसक रही हैं।

तृप्ति डिमरी ने कहा, ष्किसी भी अभिनेता के लिए इतनी बडी फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना बहुत बडी बात है। जब मुझे यह रोल ऑफर किया गया तो मैं बहुत खुश थी। मैं हमेशा से अनीस सर की प्रशंसक रही हूं।ष तृप्ति ने आगे कहा कि उन्होंने इस अनीस बज्मी की कई फिल्में देखी हैं। भूल भुलैया 3 में अपने सह–कलाकारों की तारीफ करते हुए तृप्ति ने कहा, ष्मैं हमेशा से राजपाल सर, विद्या मैम, माधुरी मैम, कार्तिक की प्रशंसक रही हूं। इन सभी के साथ काम करने का मौका मिलना बहुत बडी बात है। मुझे इस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया।ष कार्तिक आर्यन की टांग खींचते हुए तृप्ति ने आगे कहा, "बचपन से मैं कार्तिक की फैन हूं।" इस दौरान कार्तिक ने भी तुरंत जवाब दिया, "मैं इनके बचपन से फिल्में देख रहा हूं।"

बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 इस साल 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन से होगा, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं। मुख्य कलाकारों के अलावा, भूल भुलैया 3 में संजय मिश्रा, अश्विनी कालसेकर और राजेश शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। भूल भुलैया 3 के ट्रेलर को प्रशंसकों से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस बार फिल्म में माधुरी दीक्षित और विद्या बालन की जबर्दस्त क्लासिकल जुगलबंदी देखने को मिलेगी। भूल भुलैया 3 के अलावा तृप्ति डिमरी विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आएंगी। 11 अक्तूबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म में राजकुमार राव मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

# खेल जगत का लाल बजरी के बादशाह नडाल को सलाम
# फेडरर से लेकर रोनाल्डो–जोकोविच तक ने दी शुभकामनाएं

स्पोर्ट्स डेस्क। लाल बजरी (क्ले कोर्ट) के बादशाह 38 वर्षीय राफेल नडाल ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अगले माह स्पेन के लिए मलागा में होने वाले डेविस कप के फाइनल में अंतिम बार कोर्ट पर उतरेंगे। बीते वर्ष से कूल्हे की चोट से जूझ रहे नडाल के संन्यास के कयास वर्ष की शुरुआत से लगाए जा रहे थे, जिस पर इस महान खिलाड़ी ने बृहस्पतिवार को विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में इस खेल को अलविदा कहने की घोषणा की। बिग थ्री क्लब के अब दो सदस्य रोजर फेडरर और राफेल नडाल टेनिस से संन्यास ले चुके हैं। अब इस क्लब के एकमात्र सक्रिय खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बचे हैं। नडाल ने कहा, 'वह इस बात से उत्साहित हैं कि उनका अंतिम टूर्नामेंट डेविस कप का फाइनल होगा, जहां वह अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।' नडाल के संन्यास पर कई दिग्गजों ने उन्हें उनके शानदार करियर के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इनमें फेडरर से लेकर जोकोविच और दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो शामिल हैं। इन सभी ने सोशल मीडिया पर नडाल की महानता को सराहा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

**जोकोविच की प्रतिक्रिया**

नोवाक जोकोविच ने लिखा, 'राफा, एक पोस्ट काफी नहीं है आपके प्रति अपना आदर प्रकट करने और उसके लिए जो आपने हमारे खेल के लिए किया है। आपने लाखों बच्चों को टेनिस खेलने के लिए प्रेरित किया। मेरे विचार से, यह सबसे बड़ी उपलब्धि है जिसकी कोई भी कामना कर सकता है। आपकी दृढ़ता, समर्पण, संघर्ष करने की भावना दशकों तक सिखाई जाएगी। आपकी विरासत हमेश जीवित रहेगी।'

**फेडरर–रोनाल्डो की प्रतिक्रिया**

रोजर फेडरर ने लिखा, 'क्या शानदार करियर है राफा, मैं हमेशा सोचता था, यह दिन कभी नहीं आएगा। न भुलाने वाली यादों और अविश्वसनीय उपलब्धियों के लिए बधाई।' रोनाल्डो ने लिखा, 'आपके समर्पण, जुनून और अविश्वसनीय प्रतिभा ने दुनिया में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। आपके करियर का गवाह बनना और आपको दोस्त कहना सम्मान की बात है।'

**सिनर–अल्काराज की प्रतिक्रिया**

मौजूदा विश्व नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने लिखा, '14 धन्यवाद, लाखों यादों के लिए–रोलां गैरो की ओर से जारी प्रतिक्रिया, जहां नडाल ने 14 फ्रेंच ओपन जीते। उन्होंने युवाओं को कई चीजें सिखाई हैं, कोर्ट पर कैसा व्यवहार करना है, विनम्र रहना, सफलता के साथ नहीं बदलना।' स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने लिखा, 'मैं जब बच्चा था, तब मैंने आपको टीवी पर खेलते देखा और सपना देखा कि मैं एक दिन टेनिस खिलाड़ी बनूंगा, जिसे आपके साथ रोलां गैरों पर ओलंपिक में स्पेन का प्रतिधित्व करने का गौरव हासिल होगा। हर स्तर पर उदाहरण बनने के लिए धन्यवाद।'

भारत दौरे पर आई बांग्लादेश की टीम का जख्म नासूर बन चुका है. दिल्ली में बांग्लादेश को 86 रन से ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टी20 टीम ने बांग्लादेश पर 2–0 से बढ़त हासिल कर ली है. बांग्लादेश की टीम ने दूसरे टी20 मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था. शुरुआत शानदार थी और टीम ने सूर्या, सैमसन और अभिषेक के विकेट का जमकर जश्न मनाया. लेकिन क्या पता था कि 21 साल के नितीश रेड्डी आज टीम का काल बनकर उतरे हैं. नितीश रेड्डी ने खूंटा गाड़ा और महज 34 गेंद में 74 रन की आतिशी पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 7 छक्के देखने को मिले थे.

## भारत की बांग्लादेश पर तूफानी जीत

## सीरीज में बनाई 2–0 की अजेय बढ़त, 86 रनों से हराया

## वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में किन दो टीमों में होगी भिड़ंत?

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

## 'अलविदा टेनिस'

### 'लाल बजरी के बादशाह' राफेल नडाल ने टेनिस को कहा अलविदा

## टीम इंडिया की बादशाहत बरकरार

### 82 रन से श्रीलंका को रौंदा, सेमीफाइनल की राह आसान